UDYAM REGISTRATION NUMBER UDYAM-CG-11-0005844

कोयतुर टाइम्स

LIVE

एक कदम समाज की ओर

22 सितम्बर 2024

राष्ट्रपति भवन में बस्तर के नक्सल पीड़ितों ने रखी अपनी पीड़ा, साय की संवेदनशील पहल का हुआ उल्लेख

नई दिल्ली: राष्ट्रपति भवन में आज का दिन बस्तर के नक्सल पीड़ितों के लिए उम्मीदों भरा था। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बस्तर क्षेत्र से आए 70 लोगों का एक प्रतिनिधिमंडल, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की संवेदनशील पहल के तहत, अपनी पीड़ा को लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलने पहुंचा। उनके चेहरे पर वर्षों से झेले गए अत्याचार की छाप थी, लेकिन उनकी आंखों में अब उम्मीद की किरण भी नजर आ रही थी। राष्ट्रपति से मुलाकात का उद्देश्य साफ था – नक्सली हिंसा से प्रभावित लोगों की समस्याओं को देश की सर्वोच्च शक्ति के सामने रखना और बस्तर को माओवाद के आतंक से मुक्त कराने की अपील करना। मुलाकात के दौरान पीड़ितों ने बताया कि कैसे माओवादी हमलों ने उनके जीवन को तबाह कर दिया है। प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति को अवगत कराया कि पिछले चार दशकों से बस्तरवासी माओवादी आतंक का दंश झेल रहे हैं। माओवादी हमलों में हजारों लोग अपनी जान गंवा चुके हैं और सैकड़ों लोग अपंग हो चुके हैं। बारूदी सुरंगों और बम विस्फोटों ने उनके जीवन को तहस-नहस कर दिया है। विस्फोटों से न केवल शरीर को नुकसान पहुंचा है, बल्कि मानसिक रूप से भी वे पूरी तरह टूट चुके हैं। प्रतिनिधियों ने बताया कि माओवादियों ने उनके घर, जमीन और संस्कृति को भी बर्बाद कर दिया है। बस्तर में 8,000 से अधिक लोग पिछले ढाई दशकों में माओवादी हिंसा के शिकार हुए हैं। आज भी कई लोग नक्सलियों के डर के साये में जीने को मजबूर हैं। जहां देश के अन्य हिस्सों में लोग स्वतंत्रता का आनंद ले रहे हैं, वहीं बस्तर के लोग अपनी जमीन और अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं।

कोटा के बेड़ापाट में आदिवासी समाज के साथ गाली-गलौच और धमकी: आरोपियों पर SC/ST एक्ट के तहत मामला दर्ज

बिलासपुर/जिले के कोटा क्षेत्र के ग्राम बेड़ापाट में 22 अगस्त 2024 को आदिवासी समाज के साथ गाली-गलौच और जान से मारने की धमकी का मामला सामने आया है। इस घटना के संबंध में 14 सितंबर 2024 को शाम 5:32 बजे कोटा थाने में FIR दर्ज की गई, जिसका FIR नंबर 0755 है। अपराधियों पर भारतीय न्याय सहिता की धारा 296 और 351(2) के साथ-साथ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (नृशंसता निवारण) अधिनियम 1989 के तहत कार्रवाई की गई है। इस मामले में डॉ. गुलाम जी और मातृशक्तियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाओं पर समाज को सतर्क और सजग रहने की आवश्यकता है, ताकि भविष्य में ऐसे मामलों की पुनरावृत्ति न हो। समाज हित में कार्य करते हुए आगे भी सभी के साथ मिलकर काम करने का आश्वासन दिया।

स्व. श्री श्याम पाण्डेय के तेरहवीं कार्यक्रम में शामिल हुए राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री

रायपुर /छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रमेन डेका एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय पूर्व राज्यसभा सांसद सुश्री सरोज पाण्डेय के पिता स्व. श्री श्याम पाण्डेय के तेरहवीं कार्यक्रम दुर्ग जिले के मैत्री नगर भिलाई दशहरा मैदान रिसाली में शामिल हुए । राज्यपाल श्री डेका एवं मुख्यमंत्री श्री साय ने स्व. श्री श्याम पाण्डेय के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि दी। उन्होंने दिवंगत पुण्यात्मा को शांति प्रदान करने ईश्वर से प्रार्थना की। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उप मुख्यमंत्री श्री अरूव साव, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री टंक राम वर्मा, वरिष्ठ नेता श्री सौदान सिंह, विधायक सर्वश्री विक्रम उसेण्डी, किरण देव, डोमनलाल कोरसेवाड़ा, गजेन्द्र यादव, ललित चंद्राकर, राजेश मूणत सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

न्यूज और विज्ञापन के लिए सम्पर्क करे//सम्पर्क और व्हाट्सअप नम्बर
8879810101

तिरुपति मंदिर के लड्डू में पशु वसा और मछली के तेल की मिलावट: रिपोर्ट से भक्तों में आक्रोश

तिरुपति/ तिरुमाला मंदिर जो करोड़ों भक्तों की आस्था का केंद्र है, से जुड़ी एक गंभीर खबर सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, मंदिर में प्रसाद के रूप में भक्तों को दिए जाने वाले प्रसिद्ध तिरुपति लड्डू में गोमांस की चर्बी, मछली के तेल और अन्य पशु वसा जैसे घटकों की मिलावट पाई गई है। यह चौंकाने वाला खुलासा राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड की जांच रिपोर्ट में हुआ है, जिसमें तिरुपति लड्डू के सैंपल में मिलावट की पुष्टि की गई है।गुजरात स्थित लैब में भेजे गए सैंपल की रिपोर्ट से यह जानकारी मिली कि तिरुपति मंदिर में लड्डू बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला घी मिलावटी है और उसमें पशु वसा, लार्ड (सुअर की चर्बी) और मछली का तेल पाया गया है।यह रिपोर्ट तब सामने आई जब आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने वाईएसआर कांग्रेस सरकार पर तिरुपति लड्डू में घटिया सामग्री और पशु वसा के उपयोग का आरोप लगाया था। 9 जुलाई को लिए गए सैंपल की रिपोर्ट 16 जुलाई को आई थी, लेकिन इसे आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा 21 अगस्त को सार्वजनिक किया गया। टीडीपी प्रवक्ता अनम वेंकट रमण रेड्डी ने इस रिपोर्ट को साझा किया, जिससे भक्तों में गहरा आक्रोश फैल गया है। भक्तों का मानना है कि यदि तिरुपति लड्डू में मिलावट की गई है, तो यह उनकी आस्था से बड़ा खिलवाड़ है। रोज़ाना लाखों भक्त तिरुपति मंदिर में दर्शन करने आते हैं और तिरुपति लड्डू को प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं, जिसकी धार्मिक महत्ता और भावनात्मक जुड़ाव अत्यधिक है।

कोया पुनेम् गोंडवाना महासभा भारत से जुड़ने के लिए संपर्क करें।।

मनोज कमरो राष्ट्रीय अध्यक्ष मो. न. 9827990501 // राय सिंह श्याम प्रदेश अध्यक्ष मो. न. +76970 60919

राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र शंकर सिंह बैगा का बाइक दुर्घटना से हुआ मौत पीड़ित पक्ष से मिलने पहुँचे गोंगपा के पदाधिकारी

दिनेश शाह उईके/खुड़िया/ राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र कहे जाने वाले अति विशेष पिछड़ी बैगा जनजाति जिला मुंगेली लोरमी ब्लाक के वनाचल क्षेत्र में ज्यादा तर निवासरत हैं इसी क्रम में वन ग्राम निवासखार के निवासी शंकर सिंह बैगा भी अपने सह परिवार के साथ वन ग्राम निवासखार में रहते थे ।

इसी क्रम में वन ग्राम निवासखार के निवासी शंकर सिंह बैगा भी अपने सह परिवार के साथ वन ग्राम निवासखार में रहते थे वह अपने बच्चों से मिलने अपने साढ़ू के घर छपरवा गया हुआ था। वह अपने परिवारजन से सहकुशल मिलकर अपनी मोटर साइकल से दो बच्चो के साथ अपने घर वापस लौट रहा था । कि अचानक छपरवा सड़क मार्ग से तेज रफ्तार में नसे में धूत सोल्ड बाइक चालक के द्वारा लापरवाही पूर्वक गाड़ी चलाते हुए शंकर सिंह बैगा को आगे से ठोक दिया। जिससे की घटना स्थल पर ही शंकर बैगा की मृत्यु हो गई , जिसकी अभी तक उक्त हृदय विदारक घटना कि शासन प्रशासन ने सुध नहीं लिया है। सूत्रों की माध्यम से घटना की जानकारी प्राप्त होते ही गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के जिलाध्यक्ष भुवन सिंह श्याम ने सबसे पहले कार्यवाहक जिलाध्यक्ष दिनेश शाह उइके जी, व जिला सचिव दीप ध्रुव को इस घटना से अवगत कराया तथा तुरंत तीनो पदाधिकारी मृतक के गाँव निवासखार पहुँचे और पूरी घटना के बारे मे मृतक के परिवार वा बैगा समाज प्रमुखों से जानकारी ली तत्पश्चात इस घटना की जानकारी गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के प्रदेश स्तरीय नेता रवि मरकाम (प्रदेश महासचिव गोंगपा छ ग़) को दिया। प्रदेश महासचिव रवि मरकाम जी पीड़ित परिवार से मिलने बिलासपुर से आए थे परंतु वनांचल के रोड खराब होने के कारण पीड़ित के ग्राम नहीं पहुंच पाए, उन्होंने खुड़िया के जल संसाधन विभाग के रेस्ट हॉउस मे बैठकर पीड़ित पक्ष के परिवार वालो से मिला और पार्टी के जिला पदाधिकारियों से इस केश को संज्ञान में लेने को कहा। तथा पीड़ित पक्ष को राहत राशि भी प्रदान किया गया और पूरा संवेदना व्यक्त करते हुए हरसम्भव मदद की बात कही गई। इस अवसर पर मंती बाई बैगा (मृतक के पत्नी)चैत राम बैगा,शिवकुमार बैगा,भगवान सिंह बैगा, करम सिंह बैगा, राजेश श्याम, शत्रोहन सिंह बैगा, अरिन गावड़े, प्रीतम कुरेटी सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे

आज कोया पूनेम् गोंडवाना महासभा व्दारा मनाया जाएगा महाराजा शंकर शाह और कुँवर रघुनाथ शाह मंडावी बलिदान दिवस

कोरिया, छत्तीसगढ़/ आज 22 दिसम्बर को कोया पुनेम् गोंडवाना महासभा जिला इकाई कोरिया के तत्वाधान में गोंडवाना साम्राज्य शिरोमणि महाराजा शंकर शाह और कुँवर रघुनाथ शाह मंडावी के बलिदान दिवस के अवसर पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया है । इस आयोजन का मुख्य अतिथि कोयतुर मनोज सिंह कमरो, राष्ट्रीय अध्यक्ष रहेंगे । कार्यक्रम की अध्यक्षता रमेश सिंह टेकाम (जिला अध्यक्ष, कोरिया) करेंगे, इसके साथ ही कार्यक्रम में विद्यासागर सिंह श्याम राष्ट्रीय सचिव ,इंजी. क्षितिज सिंह पोया, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, तिरू. गणेश सिंह मरपची (राष्ट्रीय पुणेमाचार्य), इंजी. संयज सिंह कमरो, (प्रदेशाध्यक्ष गोंडवाना गणतंत्र पार्टी, छ.ग.), तिरु. राय सिंह श्याम (प्रदेश अध्यक्ष कोया पुनेम् गोंडवाना महासभा छत्तीसगढ़) श्रीमती रेणुका सिंह (अध्यक्ष, जिला पंचायत, कोरिया), श्रीमती चुन्नी पैकरा (सदस्य, जिला पंचायत, कोरिया) भी विशेष रूप से वरिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। इस कार्यक्रम के आयोजन में तिरुमाल धर्मेन्द्र सिंह खुरसेंगा, तिरुमाल चन्द्र प्रताप मराबी, और तिरूमाल ज्योति सिंह पेंद्रो का विशेष योगदान में होगा । यह कार्यक्रम सर्व आदिवासी समाज भवन, तहसील कार्यालय के सामने, पोड़ी बचरा, जिला-कोरिया, छत्तीसगढ़ में आयोजित किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण दिवस पर देश के महान बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी और गोंडवाना समाज के उत्थान के लिए विचार विमर्श किया जाएगा।

गोंड समाज भवन के लिए ईश्वर सिंह मराबी और टिकेश्वर सिंह पोर्ते का अनुकरणीय योगदान

सूरजपुर/ ग्राम कसकेला निवासी एवं समाजसेवी ईश्वर सिंह मराबी द्वारा गोंड समाज के लिए अनुकरणीय कार्य करते हुए सुरजपुर गोंडवाना भवन के लिए एक आलमारी और एक टेबल प्रदान किया गया। उनके इस योगदान से समाज के विकास में महत्वपूर्ण सहयोग मिलता रहेगा ।

इसके साथ ही इस योगदान में कनकपुर निवासी टिकेश्वर सिंह पोर्ते का भी विशेष सहयोग रहा, जिन्होंने लगभग "तीन हजार रुपये" की आर्थिक सहायता प्रदान की। यह सहयोग गोंड समाज के प्रति उनके समर्पण और जिम्मेदारी को दर्शाता है। ईश्वर सिंह मराबी जो एक कृषक हैं और शासकीय उचित मूल्य दुकान कसकेला में राशन वितरण का कार्य करते हैं, साथ ही टिकेश्वर सिंह पोर्ते का भी इस महत्वपूर्ण योगदान को समाज हमेशा याद रखेगा। गोंड समाज की एकजुटता और प्रगति में इन दोनों महानुभावों का यह सहयोग एक प्रेरणादायक उदाहरण है।

विख्यात पंडवानी गायिका श्रीमती तीजन बाई के स्वास्थ्य पर रखी जा रही निगरानी

रायपुर छत्तीसगढ़: मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय विख्यात पंडवानी गायिका पद्मविभूषण श्रीमती तीजन बाई के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने श्रीमती तीजन बाई के बेहतर स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। मुख्यमंत्री श्री साय ने जिला प्रशासन को श्रीमती तीजन बाई के बेहतर उपचार और देखभाल के लिए जरूरी निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री श्री साय के निर्देश पर चिकित्सकों का दल द्वारा श्रीमती तीजन बाई के स्वास्थ्य पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सकों के दल द्वारा दुर्ग जिले के ग्राम गनियारी स्थित आवास में उनकी नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच की जा रही है।

नेशनल लोक अदालत : छत्तीसगढ़ को मिली ऐतिहासिक सफलता

रायपुर/छत्तीसगढ़ राज्य में तृतीय नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। मुख्य न्यायाधिपति छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय-सह-मुख्य संरक्षक श्री न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा राज्य के सभी 23 जिला एवं सत्र न्यायालयों से वर्चुअल मोड के माध्यम जुड़कर लोक अदालत की कार्यवाहियों का निरीक्षण किया गया। मुख्य न्यायाधिपति श्री रमेश सिन्हा द्वारा सभी जिलों के प्रधान जिला न्यायाधीशों व अन्य खण्डपीठ के पीठासीन अधिकारियों से संवाद व चर्चा की गई और लोक अदालत की प्रगति का जायजा लिया गया और उन्हें अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण के लिए मार्गदर्शन करते हुए प्रोत्साहित किया गया। मुख्य न्यायाधिपति के द्वारा उच्च न्यायालय बिलासपुर में नेशनल लोक अदालत के संबंध में गठित दोनों खण्डपीठों का भी भ्रमण किया गया और लोक अदालत की कार्यवाहियों का जायजा लेते हुए अधिवक्ताओं एवं पक्षकारों को लोक अदालत के माध्यम से प्रकरणों को निराकृत कराये जाने की बात कही गई। मुख्य न्यायाधिपति द्वारा सभी 23 जिलों का वर्चुअल मोड से निरीक्षण जहां आधुनिक तकनीक का न्यायालयीन कार्यवाहियों में उपयोग को दर्शाता है, वहीं माननीय मुख्य न्यायाधिपति की यह पहल लोक अदालत के पीठासीन अधिकारियों, सदस्यों व पक्षकारों को प्रोत्साहित करने के साथ साथ पक्षकारों में विश्वास सृजित करेगा और लोक अदालत को और विश्वसनीयता और प्रमाणिकता प्रदान करेगा। उल्लेखनीय है कि मुख्य न्यायाधिपति श्री न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा द्वारा नेशनल लोक अदालत की तैयारियों के संबंध में सभी जिले के प्रधान जिला न्यायाधीशों के साथ बैठक कर सतत् पर्यवेक्षण करते हुए मार्गदर्शन दिया गया था। मुख्य न्यायाधिपति के छत्तीसगढ उच्च न्यायालय में पदभार ग्रहण करने के उपरांत से छत्तीसगढ में शीघ्र सुलभ व सस्ता न्याय की अवधारणा को साकार करते हुए लोगों को लोक अदालत के माध्यम से त्वरित न्याय प्रदान किया जाना सुनिश्चित हो पा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य में उच्च न्यायालय से लेकर तालुका स्तर न्यायालयों के साथ-साथ राजस्व न्यायालयों में आयोजित नेशनल लोक अदालत में 8 लाख 84 हजार से अधिक मामलों का निराकरण करते हुए 229 करोड़ रूपये से अधिक का अवार्ड पारित किया गया। इस नेशनल लोक अदालत में यह महत्वपूर्ण रहा है कि सुकमा जिले में बाढ़ के कारण पक्षकार जिला न्यायालय तक नहीं आ पाए उन पक्षकारों को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से जोड़कर प्रकरणों में राजीनामा के आधार पर निराकरण किया गया। मुख्य न्यायाधिपति श्री न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा द्वारा उच्च न्यायालय में गठित लोक अदालत की दोनों खण्डपीठों के पीठासीन अधिकारी न्यायमूर्तिगण व सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया है। मुख्य न्यायाधिपति द्वारा राज्य के सभी सम्मानित प्रधान जिला न्यायाधीशगणों और नेशनल लोक अदालत के संबंध में राज्य में गठित सभी खण्डपीठों के पीठासीन अधिकारियों और खण्डपीठ के सदस्यों, राजस्व अधिकारियों, पुलिस प्रशासन सभी न्यायालयीन कर्मचारियों के साथ-साथ सभी पैरालीगल वालेण्टियर, अन्य विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों तथा पक्षकारों तथा अन्य सभी लोगों जिन्होंने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इस नेशनल लोक अदालत को एतिहासिक रूप से सफल बनाने में योगदान दिया है, को धन्यवाद ज्ञापित किया है।

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह में शामिल हुए राज्यपाल

रायपुर छत्तीसगढ़/ नवाचार, अनुसंधान और विकास के माध्यम में ही हम समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं और गरीबी, बीमारी, बेरोजगारी सहित कई समस्याओं का समाधान कर सकते हैं। ये उद्गार आज राज्यपाल श्री रमेन डेका ने रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में व्यक्त किए। राज्यपाल श्री डेका आज श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय रायपुर के तीसरे दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में 1440 विद्यार्थियों को डिग्री, डिप्लोमा तथा विभिन्न संकायों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले 20 से अधिक विद्यार्थियों को चान्सलर स्वर्ण पदक प्रदान किया गया साथ ही प्रसिद्ध लोकगायक पद्मश्री श्री प्रहलाद सिंह तिपानिया और प्रसिद्ध हास्य कवि श्री सुरेन्द्र दुबे को डी.लिट. की मानद उपाधि प्रदान की गई। राज्यपाल ने दीक्षांत समारोह के अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि आज का दिन विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण है। पालक, शिक्षकों, संस्था और स्वयं की मेहनत से वे आज इस मुकाम पर पहुंचे है। आज हमारी अर्थव्यवस्था को 5 ट्रिलियन तक ले जाने में हमारे युवा भी सहभागी है। श्री डेका ने कहा कि समय बहुत महत्वपूर्ण है इसका सदुपयोग करें और आनंद लें। सपने देखे और उसे साकार करने के लिए मेहनत भी करें।

KOYTUR TIMES NEWS

KOYTUR TIMES NEWS